अध्याय I
संगठन का विवरण, कार्य एवं दायित्व

संगठन का विवरण

सामान्य परिचय

1. इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड (इरकॉन), का निगमन रेलवे से प्राप्त विशेषज्ञता की सहायता से वाणिज्यिक विवेक की तर्ज पर भारत में तथा विदेश में रेल परियोजनाओं के निर्माण कार्य के मुख्य प्रयोजन से "भारतीय रेलवे निर्माण कंपनी लिमिटेड" के नाम के तहत दिनांक 28 अप्रैल, 1976 को किया गया था। अंतरराष्ट्रीय छवि तथा कंपनी के प्रचालन के कार्यक्षेत्र की तर्ज पर दिनांक 17 अक्तूबर, 1995 को कंपनी का नाम बदल कर "इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड" कर दिया गया था। इरकॉन दिनांक 28 सितंबर 2018 से एक सूचीबद्ध कंपनी है।

2. इरकॉन भारत सरकार द्वारा धारित 73.18 प्रतिशत की प्रदत्त शेयर पूंजी सहित रेल मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में निर्माण क्षेत्र की अनुसूची-"क' मिनी रत्न श्रेणी-। सरकारी कंपनी है। यह संगठन के लिए गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली हेतु एक आईएसओ प्रमाणित कंपनी (वर्ष 1996 से) तथा पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली (वर्ष 2011 से) और व्यावसायिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली (वर्ष 2012-13 के दौरान प्रमाणित) के लिए आईएसओ प्रमाणित कंपनी है। कंपनी में व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली यथा आईएसओ 45001:2018 विद्यमान है।

3. कंपनी एकीकृत भारतीय इंजीनियरिंग एवं निर्माण कंपनी है, जिसे रेलवे, राजमार्गों, पुलों, फ्लाइओवरों, सुरंगों, विमान अनुरक्षण हैंगरों, रनवे, ईएचवी उप-स्टेशनों, इलैक्ट्रिकल एवं यांत्रिकी कार्यों, वाणिज्यिक एवं आवासीय परिसंपत्तियों, औद्योगिक क्षेत्रों के विकास, तथा अन्य अवसंरचनात्मक गतिविधियों सहित प्रमुख अवसंरचनात्मक परियोजनाओं में विशेषज्ञता प्राप्त है। हम विभिन्न अवसंरचनात्मक परियोजनाओं के लिए नियत-राशि टर्नकी आधार पर और मद दर आधार पर ईपीसी सेवाएं प्रदान करते हैं। इरकॉन भावी आमदनियों को बनाए रखने के लिए कंपनी की वित्तीय क्षमता का लाभ प्राप्त करके निर्माण-प्रचालन-अंतरण (BOT)/ हाइब्रिड एन्युटी मोड (HAM) आधार और लागत जमा आधार पर परियोजनाओं को भी निष्पादित करता है। इरकॉन का मुख्यालय साकेत, नई दिल्ली में है और इसके व्यवसाय के प्रचालन और प्रबंधन के लिए पूरे भारत में तेतालीस (43) परियोजना कार्यालय और चार (4) क्षेत्रीय कार्यालय हैं तथा श्रीलंका, बांग्लादेश, मलेशिया, दक्षिण अफ्रीका और अल्जीरिया में पांच (5) विदेशी परियोजना कार्यालयों हैं, जो विदेश में बाहरी सहायता उपलब्ध कराते हैं।

प्रचालनिक विशेषता

कंपनी ने 1977-78 में अपना प्रचालन आरंभ किया और इराक एवं तत्पश्चात अल्जीरिया में प्रमुख उपलब्धि के साथ व्यापक स्तर पर अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रवेश किया। अंतरराष्ट्रीय मानकों का अनुपालन करते हुए परियोजनाओं के समय पर निष्पादन के परिणामस्वरूप इरकॉन को भारत में अग्रणी निर्माण कंपनियों में से एक के रूप में प्रतिष्ठा प्राप्त हुई है। विशिष्ट रूप से रेलवे क्षेत्र में अपना प्रचालन आरंभ करने के पश्चात कंपनी ने वर्ष 1985 में निर्माण के अन्य क्षेत्रों में अपनी गतिविधियों में विविधता प्राप्त की है। बीओटी, बीओओटी, बीएलटी आदि आधार पर परियोजनाओं तथा, पट्टा, रियल एस्टेट आदि संबंधी व्यवसाय को शामिल करने के लिए वर्ष 1993 में कंपनी के कार्यक्षेत्र को और संवर्धित किया गया।

इरकॉन की प्रमुख सक्षमता रेलवे, राजमार्ग तथा ईएचटी उप-स्टेशन इंजीनियरिंग और निर्माण क्षेत्र में है। कंपनी ने गिट्टीरहित रेलपथ, विद्युतीकरण, सुरंग निर्माण, सिग्नल और दूरसंचार सहित रेल निर्माण के क्षेत्रों में तथा इंजनों को पट्टे पर देने, सड़क, राजमार्ग निर्माण, वाणिज्यिक, औद्योगिक तथा आवासीय भवनों तथा परिसरों, हवाईअड्डा रनवे तथा हैंगरों, मेट्रो तथा मास रेपिड ट्रांजिट सिस्टम आदि क्षेत्रों में प्रचालित परियोजनाओं का निष्पादन किया है।

अबतक, इरकॉन ने विश्वभर के 25 देशों में 128 से अधिक परियोजनाओं और भारत में 395 से अधिक परियोजनाओं को पूरा किया है। यूएसए के इंजीनियरिंग न्यू रिकॉर्ड (ENR) के वर्ष 2021 संस्करण के अनुसार, इरकॉन शीर्ष 250 अंतर्राष्ट्रीय संविदाकारों की सूची में स्थान प्राप्त करने वाला एकमात्र भारतीय सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम (PSU) है।

<u>अंतरराष्ट्रीय परियोजनाएं</u>

बांग्लादेश, अल्जीरिया, श्रीलंका और नेपाल में चालू अंतरराष्ट्रीय परियोजनाएं निम्नलिखित हैं:
(क) बांग्लादेश- बांग्लादेश रेलवे के लिए खुलना-मोंगला पोर्ट रेल लाइन परियोजना के अंतर्गत तटबंध का निर्माण, ट्रैक, सभी सिविल कार्य, प्रमुख और छोटे पुल (रूपशा पुल को छोड़कर) का निर्माण और डब्ल्यूडी-1 के प्रति ईएमपी का क्रियान्वयन कार्य।
(ख) अल्जीरिया- एएनईएसआरआईएफ, परिवहन मंत्रालय, अल्जीरिया सरकार द्वारा प्रदान की गई अल्जीरिया में दोहरी रेलपथ लाइन (93 किलोमीटर) की स्थापना।
(ग) श्रीलंका- परिवहन और नागर विमानन मंत्रालय, श्रीलंका सरकार के अधीन श्रीलंकन रेलवे द्वारा प्रदान की गई भारतीय ऋण तर्ज पर महो से ओमानथई तक रेलवे लाईन का स्तरोन्नयन, रेलपथ पुनर्वासन और अनुषंगी कार्य।
(घ) नेपाल - भारत-नेपाल सीमा पर जोगबनी (भारत)-विराटनगर (नेपाल) के बीच बी.जी. रेल लाइन का निर्माण और भारत नेपाल सीमा पर बरदीबास तक विस्तार सहित जयनगर (भारत)-बिजलपुरा (नेपाल) पर आमान परिवर्तन द्वारा बी.जी. लाइन का निर्माण।

<u>घरेलू परियोजनाएं</u>

(क) वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान, इरकॉन ने भारत में पांच घरेलू परियोजनाओं को पूरा किया है, यथा:
(ख) झारखंड राज्य में 607 करोड़ रुपये के मूल्य पर 5 जिलों (गढ़वा, गुमला, रांची, लोहरदगा और सिमडेगा) में पुलों सहित ग्रामीण सड़कों का निर्माण /स्तरोन्नयन।
(ग) इरकॉन दावणगेरे हवेरी हाईवे लिमिटेड के लिए 791.19 करोड़ रुपये के मूल्य पर कर्नाटक राज्य में राष्ट्रीय राजमार्ग-48 के (किमी 260+000 से किमी 338+923) तक दावणगेरे-हवेरी राजमार्ग के छह लेनों का निर्माण।
(घ) पूर्वोत्तर रेलवे के लिए 433 करोड़ रुपये के मूल्य पर परमथुरा-कासगंज-कल्याणपुर रेलवे सिग्नलिंग सहित विद्युतीकरण परियोजना।
(ड.) जम्मू-कश्मीर ऊर्जा विकास विभाग के लिए 420 करोड़ रुपये के मूल्य पर जम्मू प्रांत के तहत आरएपीडीआरपी – भाग-ख परियोजना (क्लस्टर-I, जम्मू लेफ्ट), (क्लस्टर-II, जम्मू राइट) और (क्लस्टर-IV) अखनूर, राजौरी, पुंछ, उधमपुर, डोडा, किश्तवाड़ और भद्रवाह।

(ड.) पश्चिम मध्य रेलवे के लिए कटनी-सिंगरौली हेतु 282 करोड़ रुपए मूल्य पर रेलवे विद्युतीकरण कार्य।

उपरोक्त के अतिरिक्त, कॉर्पोरेट योजना के संदर्भ में, इरकॉन ने चुनिंदा विविधीकरण के लिए रियल एस्टेट क्षेत्र की पहचान की है। कंपनी नोएडा, उत्तर प्रदेश, गुरुग्राम, हरियाणा में स्थित अपनी संपत्तियों को विकसित कर रही है और इन परिसंपत्तियों को पट्टे पर देने / बेचने की संभावनाओं का पता लगा रही है।

कंपनी अपफ्रंट लीज प्रीमियम के भुगतान के प्रति 99 वर्षों के लिए बांद्रा ईस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र में 4.3 (चार बिंदु तीन) हेक्टेयर भूमि खंड पर वाणिज्यिक विकास भी कर रही है। इसके लिए इरकॉन ने दिनांक 26 मार्च, 2018 को रेल भूमि विकास प्राधिकरण (RLDA) के साथ उक्त भूमि के वाणिज्यिक विकास के लिए इरकॉन को लीजहोल्ड अधिकारों के हस्तांतरण के लिए एक समझौता ज्ञापन (MOU) में भी प्रवेश किया है। अपनी भूमिकाओं और उत्तरदायित्वों को ध्यान में रखते हुए, इरकॉन आरएलडीए से अग्रिम लीज प्रीमियम के 3% (तीन प्रतिशत) के बराबर राशि के लिए शुल्क और 3200 करोड़ रुपये की राशि के वित्तपोषण को प्राप्त करने के लिए पात्र है, जिसके लिए इरकॉन, रेल भूमि विकास प्राधिकरण (RLDA) और इंडियन रेलवे फाइनेंस कॉरपोरेशन लिमिटेड (IRFCL) के बीच एक त्रिपक्षीय ऋण समझौता निष्पादित किया गया था और ब्याज के साथ ऋण का पुनर्भुगतान और उस पर सभी व्यय आरएलडीए द्वारा गारंटित हैं। मुंबई महानगरीय प्रदेश विकास प्राधिकरण (MMRDA) ने मुख्य यातायात में प्रवेश के लिए प्रवेश और निकास मार्ग प्रदान करने हेतु अपनी सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है और प्लॉट को अब पट्टे पर दिया जा सकता है। दिनांक 26 मार्च, 2018 को किया गया समझौता ज्ञापन दिनांक 31 मार्च, 2021 को समाप्त हो गया है और इरकॉन इसे और आगे नहीं बढ़ा सकता है।

भारत में प्रमुख चालू परियोजनाएं:

क्र.सं	**वर्ग**	**परियोजना का नाम**	**संशोधित संविदा मूल्य (रू. करोड़ में)**
1.	रेलवे	उत्तर रेलवे के लिए कटरा-काजीगुंड खंड (इरकॉन का भाग), उधमपुर श्रीनगर बारामूला रेल संपर्क परियोजना।	13,359
2.	रेलवे	नॉर्थ फ्रंटियर रेलवे के लिए सिवोक-रंगपो नई रेल लाइन परियोजना।	8,215
3.	रेलवे	छत्तीसगढ़ पूर्व-पश्चिम रेलवे लिमिटेड (CEWRL) के लिए गेवरा रोड से पेंडरा रोड के बीच लगभग 135 किमी के ईस्ट-वेस्ट कॉरिडोर के कॉरिडोर-III का निर्माण और गेवरा रोड से पेंड्रा रोड के बीच ईस्ट-वेस्ट कॉरिडोर का व्यवहार्यता अध्ययन कार्य।	3,198
4.		डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (DFCCIL) के लिए समर्पित, फ्रेट कॉरीडोर परियोजना, सीटीपी-12 के वैतरणी-सचिन खंड के सिविल, निर्माण और रेलपथ कार्यों का अभिकल्प और निर्माण कार्य।	2,762
5.	रेलवे	छत्तीसगढ़ राज्य में छत्तीसगढ़ पूर्व रेलवे लिमिटेड (CERL) के लिए खरसिया से धरमजयगढ़ के बीच ईस्ट कॉरिडोर के कॉरिडोर- I और स्पर लाइन का निर्माण।	1,958

		सीईआरएल (CERL-II) के लिए धरमजयगढ़ से कोरबा (उरगा) के बीच नई बीजी विद्युतीकृत रेल लाइन का निर्माण।	1,138
6.	रेलवे	कटनी-सिंगरौली दोहरीकरण परियोजना में पश्चिम मध्य रेलवे के लिए दोहरीकरण परियोजना।	1,763
7.	रेलवे	मध्य पूर्व रेलवे के लिए आरडीयूएम-टीएएल-आरजेओ (रामपुर दुमरा–ताल–राजेंद्रपाल गंगा पुल सहित दोहरीकरण) दोहरीकरण परियोजना।	1,491
8.	रेलवे	बस्तर रेलवे प्राइवेट लिमिटेड (BRPL) द्वारा चिह्नित रेल संपर्क परियोजनाओं का निष्पादन।	1,466
9.	सड़क	इरकॉन वडोदरा किम एक्सप्रेस-वे लिमिटेड (Ircon VKEL) के लिए हाइब्रिड एन्युविटी मोड (चरण ।क-पैकेज-।।) पर एनएचडीपी चरण-VI के तहत गुजरात राज्य में एनएचपीडी चरण-VI के तहत कि.मी. 323.00 से कि.मी. 355.00 (वडोदरा मुंबई एक्सप्रेसवे के सनपा से पेंडरा खंड) तक आठ लेन वाले वडोदरा किम एक्सप्रेस-वे का निर्माण।	1,378
10.	रेलवे	पश्चिम मध्य रेलवे के लिए कटनी ग्रेड सेपरेटर / बाईपास लाइन (21.50 किलोमीटर) परियोजना।	1,248
11.	रेलवे	मध्य पूर्व रेलवे के लिए क्युल-गया दोहरीकरण परियोजना।	1,200
12.	रेलवे	महानदी कोल रेलवे लिमिटेड (MCRL) के लिए विभिन्न चिह्नित रेल कोयला सम्पर्कता परियोजना (परियोजनाओं) का सर्वेक्षण, व्यवहार्यता अध्ययन, विस्तृत डिजाइन और निर्माण कार्य।	1,192
13.	रेलवे	झारखंड सेंट्रल रेलवे लिमिटेड (JCRL) के लिए विभिन्न चिह्नित रेल कोयला सम्पर्कता परियोजना (परियोजनाओं) का सर्वेक्षण, व्यवहार्यता अध्ययन, विस्तृत डिजाइन और निर्माण कार्य।	1,149
14.	रेलवे	मध्य पूर्व रेलवे के लिए हाजीपुर – बछवाड़ा दोहरीकरण परियोजनाएं।	930
15.	रेलवे	मध्य पूर्व रेलवे के लिए भारत-नेपाल सीमा पर बरदीबास तक विस्तार सहित जयनगर (भारत)-बीजलपुरा (नेपाल) के बीच रेल संपर्क का निर्माण (आमान परिवर्तन)।	819
16.	रेलवे	उत्तर फ्रंटियर रेलवे के लिए अखौरा - अगरतला रेल संपर्क परियोजना (भारतीय भाग का निर्माण)।	570

भारत में भावी परियोजनाएं:

आगामी भविष्य में, इरकॉन रेलवे, राजमार्ग और सुरंग आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण घरेलू परियोजनाएँ आरंभ करने के लिए तत्पर है। इनमें प्रतिस्पर्धी बोली आधार पर बीओटी, ईपीसी और एचएएम आधार पर विभिन्न राजमार्ग परियोजनाएँ, परामर्श कार्य, सुरंग परियोजनाएँ और रेलवे निर्माण कार्य शामिल हैं।

वित्तीय विशिष्टताएं

वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान, इरकॉन ने स्टेंडएलोन आधार पर 5,200 करोड़ रुपये की कुल आय और 4,948 करोड़ रुपये की प्रचालनिक टर्नओवर अर्जित किया है।

वर्ष 2019-20 की तुलना में वर्ष 2020-21 के लिए कंपनी के वित्तीय निष्पादन के कुछ महत्वपूर्ण संकेतक नीचे दिए गए हैं:

क्र.सं	विवरण	2020-21 (रु. करोड़ में)	2019-20 (रु. करोड़ में)	वृद्धि/(कमी) [% में]
1.	कुल आय/टर्नओवर	**5,200**	5,442	(4.44 %)
2.	कुल प्रचालनिक आय /टर्नओवर	**4,948**	5,202	(4.89 %)
3.	विदेशी परियोजनाओं से प्रचालनिक आय	**582**	443	31.38 %
4.	भारतीय परियोजनाओं से प्रचालनिक आय	**4,366**	4,759	(8.26 %)
5.	कर पूर्व लाभ	**574**	673	(14.65 %)
6.	कर पश्चात लाभ	**405**	490	(17.40 %)
7.	कुल परिसंपत्ति	**4,406**	4,161	5.90 %
8.	लाभांश (अंतिम और अंतरिम)	**221**	223	(0.09 %)

कंपनी ने फरवरी, 2021 में 61.13 करोड़ रूपए (लगभग) की राशि के प्रति शेयर 1.30 रूपए (प्रति 02 रूपए के फेस मूल्य पर) के अंतरिम लाभांश की घोषणा की है और वार्षिक आम बैठक (AGM) में 159.80 करोड़ रूपए की राशि के प्रति शेयर 2 रूपए के फेस मूल्य पर प्रति इक्विटी शेयर 1.70 रूपए के अंतिम लाभांश (अंतरिम लाभांश के अतिरिक्त) की घोषणा की है। इस प्रकार, वर्ष 2020-21 के लिए कुल लाभांश 221.02 करोड़ रुपए (लगभग) परिकलित किया गया है, जो 188.10 करोड़ रूपए की प्रदत्त इक्विटी शेयर पूंजी का 117.50 प्रतिशत है, जो दिनांक 31 मार्च 2021 को कर पश्चात लाभ का 54.63 प्रतिशत तथा निवल परिसंपत्ति का 5.01 प्रतिशत है।

शेयर पूंजी और सूचीकरण

(क) शेयरों की बिक्री हेतु प्रस्ताव

वित्तीय वर्ष 2020-21 में, भारत सरकार ने स्टॉक एक्सचेंज तंत्र के माध्यम से बिक्री प्रस्ताव (OFS) के तहत कंपनी की प्रदत्त पूंजी के 16% का विनिवेश किया है (अर्थात दिनांक 03 मार्च, 2021 को 5,26,68,882

इक्विटी शेयर गैर-रिटेल निवेशकों को और दिनांक 04 मार्च, 2021 को 2,25,72,378 इक्विटी शेयर रिटेल निवेशकों को विनिवेश किया है और इस प्रकार कुल 7,52,41,260 इक्विटी शेयरों का विनिवेश हुआ है), जो 89.75/- रुपये प्रति शेयर की दर से 677.07 करोड़ रुपये है (स्टॉक एक्सचेंज लेनदेन शुल्क और सभी लागू करों और शुल्कों के सकल सहित)। भारत के राष्ट्रपति की शेयरधारिता अब कंपनी की प्रदत्त इक्विटी शेयर पूंजी का 73.18% है, जिससे कंपनी, प्रतिभूति संविदा (विनियम) नियमावली, 1957 के नियम 19(2) और नियम-19क में विनिर्दिष्ट न्यूनतम सार्वजनिक शेयरधारिता (MPS) अपेक्षाओं के अनुपालन में है।

(ख) शेयरों का विभाजन

इरकॉन ने वित्तीय वर्ष 2019-20 के दौरान 10/- रुपये के अंकित मूल्य के एक (1) इक्विटी शेयर को 02 रूपए के अंकित मूल्य के पांच (5) इक्विटी शेयरों में विभाजित किया है। शेयर के अंकित मूल्य में परिवर्तन का प्रभाव शेयर की कीमत पर दिनांक 03 अप्रैल, 2020 से उन स्टॉक एक्सचेंजों (बीएसई और एनएसई) में परिलक्षित हुआ है, जहां कंपनी सूचीबद्ध है और प्रत्येक 2/- रुपये के अंकित मूल्य के शेयरों के क्रेडिट की कॉर्पोरेट कार्रवाई दिनांक 8 अप्रैल, 2020 को पूरी हुई है। इस प्रकार, विखंडन पश्चात और दिनांक 31 मार्च 2021 को, इरकॉन की अधिकृत शेयर पूंजी 400 करोड़ रुपये है (जिसमें 2/- रुपये के 200 करोड़ इक्विटी शेयर शामिल हैं) और जारी और प्रदत्त इक्विटी शेयर पूंजी 94.05 करोड़ रुपये है (जिसमें प्रति 2/- रुपये के 470,257,870 इक्विटी शेयरों शामिल है)।

(ग) बोनस शेयर

वित्तीय वर्ष 2020-21 की समाप्ति के पश्चात, इरकॉन ने 1:1 के अनुपात में प्रति 2/- रुपये के अंकित मूल्य के पूर्ण प्रदत्त बोनस शेयर जारी किए हैं, अर्थात प्रति 2/- रुपये के प्रत्येक एक (1) मौजूदा इक्विटी शेयर के लिए प्रति 2/- रुपये का नया पूर्णतः प्रदत्त इक्विटी शेयर और ये शेयर दिनांक 23 मई, 2021 को आवंटित किए गए थे। दिनांक 25 मई, 2021 को बीएसई और एनएसई से सैद्धांतिक अनुमोदन प्राप्त होने के पश्चात, बोनस शेयरों के क्रेडिट की कॉर्पोरेट कार्रवाई दिनांक 01 जून, 2021 को पूरी हुई थी। तदनुसार, इरकॉन की प्रदत्त शेयर पूंजी 94.05 करोड़ रुपये से बढ़कर 188.10 करोड़ रुपये हो गई है (जिसमें प्रति 2/- के 94,05,15,740 इक्विटी शेयर शामिल हैं)।

दिनांक 31 मार्च, 2021 को इरकॉन को बाजार पूंजीकरण की दृष्टि से भारत की शीर्ष 500 सूचीबद्ध कंपनियों में शामिल किया गया है, जिसका बाजार पूंजीकरण 4152.38 करोड़ रूपए है।

कोविड-19 का प्रभाव

<u>वित्तीय कार्यनिष्पादन</u>: वित्तीय वर्ष 2020-21 की पहली तिमाही के दौरान लॉकडाउन के प्रभाव और दूसरी तिमाही में पूर्ति श्रृंखला पर कुछ हद तक दबाव के कारण, दूसरी छमाही में एक स्थिर लक्ष्य रखते हुए वर्ष के लिए राजस्व और लाभप्रदता लक्ष्य को संशोधित किया गया था। कंपनी ने वर्ष की दूसरी छमाही के दौरान अच्छा निष्पादन किया और इस अवधि के दौरान, अपने पिछले वर्ष के निष्पादन स्तर को पीछे छोड़ दिया और अंततः रेल मंत्रालय द्वारा निर्धारित लक्ष्य के निकट स्तर पर व्यवसाय को प्राप्त करने में सक्षम रही है। हालांकि, समाप्त वर्ष के परिणाम उस सीमा तक पिछली अवधि के परिणामों के साथ तुलनीय नहीं हैं।

सुचारू कार्यप्रणाली हेतु उठाए गए कदम: कंपनी ने सभी कर्मचारियों और आगंतुकों की थर्मल स्क्रीनिंग सुनिश्चित करने, परिसर और वाहनों को नियमित रूप से साफ करने, सभी कार्य स्थलों पर सामाजिक दूरी बनाए रखने और मास्क पहनने को सुनिश्चित करने के लिए कोविउ-19 हेतु कड़ी निगरानी प्रक्रियाएं जारी रखी है। इसके अतिरिक्त, कंपनी ने अपने कर्मचारियों और उनके परिवारों की मदद करने के लिए कई उपाय शुरू किए हैं, जिसमें कोविड देखभाल केंद्रों, टीकाकरण केंद्रों को स्थापित करना और उन्हें चिकित्सा देखभाल सुविधाओं तक पहुंच प्रदान करना शामिल है।

आर्डर बुक

वर्ष 2020-21 के दौरान, कंपनी ने सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के बीच प्रतिस्पर्धी बोली के माध्यम से रेल मंत्रालय से 4157.08 करोड़ रुपये के कार्य प्राप्त किए हैं। दिनांक 31 मार्च, 2021 को ऑर्डर बुक 34,689 करोड़ रुपए (लगभग) थी, जबकि दिनांक 31 मार्च, 2020 की स्थिति के अनुसार यह 30,713 करोड़ रूपए (लगभग) थी।

सीएसआर और संधारणीयता

वित्तीय वर्ष 2020-21 के लिए सीएसआर बजट 10.42 करोड़ रुपये था, जो कि पिछले तत्काल तीन वित्तीय वर्षों की अवधि में अपनी भारतीय परियोजनाओं से कंपनी द्वारा औसत शुद्ध लाभ का 2% है। वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान, इरकॉन ने अपने सीएसआर कार्यों पर 10.42 करोड़ रूपए व्यय किए हैं। प्रधानमंत्री नागरिक सहायता और आपात स्थिति राहत कोष (पीएम केयर्स फंड) में दान की गई कुल राशि 15.50 करोड़ रुपये है।

सहायक कंपनियां और संयुक्त उद्यम कंपनियां

वर्तमान में इरकॉन में छह सहायक कंपनियां (यथा इरकॉन इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेस लिमिटेड, इरकॉन पीबी टोलवे लिमिटेड, इरकॉन शिवपुरी गुना टोलवे लिमिटेड, इरकॉन देवानगेरे हवेरी हाइवे लिमिटेड, इरकॉन वडोदरा किम एक्सप्रेसवे तथा इरकॉन गुडगांव रेवाड़ी हाइवे लिमिटेड) तथा भारत में सात संयुक्त उद्यम कंपनियां (जेवीसी) (यथा इरकॉन-सोमा टोलवे प्राइवेट लिमिटेड, इंडियन रेलवे स्टेशन्स डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड, छत्तीसगढ ईस्ट रेलवे लिमिटेड, छत्तीसगढ ईस्ट वेस्ट रेलवे लिमिटेड, महानदी कोल रेलवे लिमिटेड, झारखंड सेंट्रल रेलवे लिमिटेड और बस्तर रेलवे प्राइवेट लिमिटेड) हैं।

एमओयू रेटिंग / पुरस्कार

रेल मंत्रालय के साथ हस्ताक्षरित वर्ष 2018-19 के समझौता ज्ञापन के तहत कंपनी की रेटिंग 'उत्कृष्ट' रही है। वित्तीय वर्ष 2019-20 के लिए समझौता ज्ञापन (MOU) कार्य निष्पादन का मूल्यांकन किया जा रहा है।

इसके अतिरिक्त, कंपनी ने वर्ल्ड एचआरडी कांग्रेस द्वारा 'पीएसयू में उत्कृष्टता के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार' प्राप्त किया है; तीन श्रेणियों में 'एल्टेस नेशनल पीएसयू अवार्ड ऑफ एक्सीलेंस' यथा कोविड-19 के दौरान डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन के लिए संधारणीय अवसंरचना का निर्माण एवं विकास हेतु, और भारतीय रेलवे के लिए स्मार्ट अवसंरचना हेतु; निर्माण उद्योग विकास परिषद (CIDC) द्वारा तीन श्रेणियों में 12वां सीआईडीसी विश्वकर्मा पुरस्कार यथा सर्वश्रेष्ठ व्यावसायिक रूप से प्रबंधित कंपनी हेतु (1,000 करोड़ रुपये से अधिक टर्नओवर श्रेणी

में), सर्वश्रेष्ठ निर्माण परियोजना हेतु (मथुरा - कासगंज परियोजना के लिए) और कोरोना योद्धाओं के लिए; और 8वां फिक्की गुणवत्ता प्रणाली उत्कृष्टता पुरस्कार।

****